GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 4
July - August: 2026

विकलांगता अध्ययन-एक महत्वपूर्ण अन्वेषण

Dr. R.S. Ashamai
Guest Faculty Teacher
Department Of Hindi
Gandhigram Rural Institute (Deemed To Be University)
Gandhigram, Dindigul District, Tamil Nadu

बकाँ अपने दुर-स्वप्न की हँसी में प्रतिरोध और पहचान का निर्माण

संक्षेप

शेनबकाँ एक ब्लॉगर और यूटयूबर हैं जो एक गैर-लाभकारी संगठन चलाते हैं जो विकलांग लोगों, विशेष रूप से स्पाइनलमस्कुलरअट्रोफी (एसएमए) की सहायता करता है। अपने संस्मरण, लाफिंगएटमाईनाइटमेयर के माध्यम से, वह बताते हैं कि कैसे वह विकलांगता के साथ-साथ लोगों की रूढ़ियों से लड़ते हैं जो इसे लेकर हैं । संस्मरण लेखक की नकारात्मकता और बहिष्कार की रूढ़ियों का विरोध करता है। जो उसे मुख्यधारा के समुदाय के साथ घुलने-मिलने से रोकने हौं। यह उनके जन्म, स्कूली जीवन, माता-पिता की देख भाल, कॉलेज जीवन, पहले क्रश, प्रेमिका और सेक्स की विशद तस्वीर पेश करता है। लाफिंगएटमाईनाइटमेयर चिकित्सा उपचार के नाम पर होने वाले दर्द, पीड़ा, मानसिक व्यथा और 'अस्थायी रूप से सक्षम व्यक्तियों' से अलग-अलग होने के डर से संबंधित है। यह लेख जानने का प्रयास करता है कि विकलांगता से ग्रस्त व्यक्ति 'स्व' को बनाने के लिए अवसर और स्थान कैसे बनाता है।

मुख्य शब्दः विकलांगता, बहिष्कार, पहचान निर्माण,समावेशन, प्रतिरोध, स्व, स्थान ।

संसार में जन्म लेने वाले सभी मनुष्य अद्‌वितीय होते हैं। वे व्यक्तिगत प्रतिभा से संपन्न होते हैं। जैसे-जैसे वेबड़े होते हैं, वे ज्ञान और कौशल अर्जित करते हैं और अपने व्यक्तितव का विकास करते हैं। एक बार जब वे ज्ञान और कौशल में निपुण हो जाते हैं, तो वे दुनिया के सामने अपने कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं, ताकि यह भ्रम स्थापित हो सके कि वे अन्य मनुष्यों से श्रेष्ठ हैं। यह भ्रम चयन के लिए निश्चित मानदंड निधारित करता है। ज्ञान और कौशल का मानदंड शरीर और मन के आधार पर होता है। जिन लोगों के शरीर के अंग

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 4
July - August: 2026

विकृत हैं या किसि भी प्रकार की विकलांगता है और मन अस्थिर है, उन्हें कार्य के लिए अयोग्य मानना जाता है। इस प्रकार विकलांगता के नाम पर सभी प्रकार के भेदभाव का जन्म हुआ। यह लेख यह समझानेलकाप्रय़ास करता है कि शेनबर्कॉ कैसे अपनी विकलांगता के बावजूद भेदभाव के विरूद्ध प्रतिरोध और संघर्ष करते हैं और अफनी पहचान बनाने के लिए जगह बनाते हैं। बर्कॉ बीस वर्ष से अधिक आयु के एक युवा हैं। वे मिनियापोलिस, अमेरिका में रहते हैं। वे स्पाइनलमस्कुलरअट्रोफी नामक एक दुर्लभ बीमारी के साथ पैदा हुए थे, जो उनकी मांसपेशियों के विकास में बाधा डालती हैं। परिणामस्वरूप, उनकी मांसपेशियाँ मजबूत और बड़ी होने के बजाय छोटी और कमजोर हो गई हैं। यह उन्हें उन चीजों को करने से नहीं रोकता है, जिनका उन्हें आनंद आता है। वे एक ऐसे व्यक्ति है जिनका सेंसआफहयूमर कमाल का है और दिमाग तेज है (हालाँकि शरीर से कमजोर हों।) वे मिलनसार, मजाकिया और मिलनसार हैं। वे एक ब्लॉग औऱ गैर-लाभकारी संगठन चलाते हैं जो मस्कुलरअट्रोफी रोगों से पीडित लोगों को चिकित्सा उपकरण प्रदान करने के लिए संमर्पित हैं।

बर्कॉ अपने दोस्तों की तरह पहचान बनाने की पूरी कोशिश करता है। उसे इस बात की बहुत चिंता है कि मुख्यधारा के समुदाय में उसे एक इंसान की तरह समझा जाए। वह दूसरों जैसा दिखना चाहता है, क्योंकि उसे ज्यादा दोस्त बनाने का जुनून है। उसे डर है कि व्हीलचेयर पर बंधे होने की वजह से उसकी उपेक्षा डर सार्वभौमिक है। हालाँकि, उसके मन में, उसकी व्हीलचेयर और बीमारी ही कभी दोस्त न बनाने का अनुचित कारण होंगे।

इस कालपनिक परिदृश्य से निपटने के लिए, वह अस बात पर सोचने में काफ़ी समय बिताता है कि बच्चे उसे कैसे देखेंगे। वह दूसरे बच्चों की तरह अच्छे कपड़े खरीदने की योजना बनाता है। उसे लगता है कि उनके जैसे कपड़े पहनने से उन्हें खुद को अपने बराबर समझने में आसानी होगी। उसे भी वही करने के लिए मज़बूर होना पड़ता है जो दूसरे करते हैं ताकि उसे बराबर और एक जैसा माना जाए । वह 'सक्षम' समाज द्वारा निर्धारित सामाजिक मानदंडों का पालन करना चाहता है। वह अपने बाल लंबे रखने के लिए मजबूर है और मानता है कि लंबे बाल होना लोगों को इस बात का संकेत होगा कि वह सामान्य है। टॉमशेक्सपियर कहते हैं,"कोई भी एसे वर्गीकरण में नहीं रहना चाहता जो उसे सीमित या नकारात्मक लगे। वे दूकरों से अपनी समानता पर ज़ोर देना चाहते हैं, न कि अपनी भिन्नताओं पर; वे क्या कर सकते हैं, न कि वे क्या नहीं कर सकते"।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 4
July - August: 2026

अमेरिकी सेस्कृति में, पाँचवीं कक्षा में भी गर्लफ्रेंड होना 'सक्षम' समाज द्वारा की तरह 'सामान्य' माने जाने का एक पैमाना है। एक लड़की का दिल जीतने की कोशिश करता है और अपने 'पाँचवीं कक्षा के मिशन' को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ता। आमतौर पर यह माना जाता है कि व्हीलचेयर पर चलने वाले लोंग सामाजिक रूप से अयोग्य होते हैं। वह विकलांगता के बारे में गलत धारण को तोड़ने की हर संभव कोशिश करता है और खुद को साबित करता है। बर्कॉ कहते हैं,"व्हीलचेयरों पर चलने वाले बच्चों को आसानी से गर्लफ्रेंड नहीं मिलती । यह दुनिया को साबित करने में एक बड़ा कदम होगा कि मैं अलग हूँ" । (एलएएमएन)

यह बिल्कुल ज़ाहिर है कि एक सामान्य व्यक्ति के कई दोस्त होंगे। बर्कॉ, दुनिया को यह साबित करने के ले कि वह अलग नहीं है, ज़्यादा से ज़्यादा दोस्त बनाने के लिए नए-नए तरीके अपनाता है। वह मन ही मन संभावित बातचीत का अभ्यास करता है और मदद माँगने का अभ्यास ऐसे शांत तरीकों से करता है जो दयनीय और कष्टप्रद न लगें। यह बिलकुल सामान्य बात है कि लोग दया के कारण विकलांगों की मदद के लिए आगे आते हैं, लेकिन बर्कॉ उनकी नज़रों में दयनीय नहीं बनना चाहता। वह दया नहीं, बल्कि समानता चाहता है।

बर्कॉ इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि गैर- विकलांगता लोगों के मन में दया न पैदा हो, इसलिए वे अपने हर शब्द पर ध्यान देते हों ताकि हास्य पैदा हो और लोग उन्हें उनकी विकलांगता को भूलकर एक सामान्य व्यक्ति के रूप में देखें। जैसा कि टॉमशेक्सपियर ने अपनी पुस्तक "डिसेबिलिटी द बेसिक्स" में लिखता है,"जो लोग किसी विकलांगता के साथ पैदा होते हैं, वे अक्सर एक अनुकूल प्रतिक्रिया के रूप में बेहतरीन संचार कौशल विकसित कर लेते हैं, या उनमें हास्य की अच्छी समझ होती है "78) उनका कहना है, कि लोगों को उनकी व्हीलचेयर / विकलांगता से पर देखना उनकी सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है, और हास्य की समझ उन्हें ऐसा करने में मदद करती हैं। मुझे बस छोटी -मोटी चीजों में मदद चाहिए, जैसे किताबों को बैग से निकालना। 'मैं

खूद कर लूँगी, लेकिन शायद ज़मीन पर ही गिर जाऊँगी'। वह हँसी... मेरी हास्य-

भावना झट से समझ जाती है... मेरी हास्य-भावना ने उसे व्हीलचेयर के पार देखने में मदद की।(LAMN अध्याय-15)

समाज में सामान्य समझे जाने की चाहत बर्कॉ के लिए बचपन से ही सबसे बड़ी चिंता रही है। प्राथमिक विद्यालय के दिनों में, बेथलहम नगर निगम द्नाराहैलोवीन परेड का आयोजन किया

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 4
July - August: 2026

जाता है और शहर और आसपास के सभी स्कूल इसमें भाग लेते हैं। बर्कॉ भी उसमें भाग लेना चाहता है।

हैलोवीन परेड की सुबह बारिश हो रही है। बर्कॉ एक इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर इस्तेमाल करता है और अगर वह ज्यादा देर तक बारिश में रहे तो उसमें शॉर्ट-सर्किट हो सकता है और वह फट सकता है। कार्ड पर मौजूद खतरे के बावजूद, वह बारिश और उसके नतीजों की चिंता किए बिना परेड़ में हिस्सा लेने के लिए दृढ़ है। "लेकिन भारी बारिश में ज़यादा देर तक रहने से गंभीर नुकसान हो सकता है। हमने तय किया कि हम सब मिलकर बारिश का सामना करेंगे"।(LAMN अध्याय-10)

लोगों में एक गलत धारण है कि विकलांग लोग अयोग्य होते हैं और उनमें सामाजिक कौशल की कमी होती हैं। बर्कॉ लोगों को यह एहसास दिलाना चाहते हैं कि वे इनमें से कुछ भी नहीं हैं। वे इस कलंक को तोड़ते हैं और अपनी सभी गतिविधियों में एक नया मुकाम हासिल करते हैं। चाहे किसी सेमिनार में भाषण देना हो, चुनाव लड़ना हो या शराब पीना हो, वे भीड़ में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं और उल्लेखनीय होते हैं। बोलने में दिक्कत और व्हीलचेयर पर बंधे होने के बावजूद, वे पूरे आत्मविश्वास के साथ दर्शकों का सामना करते हैं और उन्हें स्कूल के चुनाव में अपने पक्ष में वोट देने के लिए राजी करते हैं और आश्चर्यजनक रूप से चुनाव में जीत भी हैं।

ऐसा माना जाता है कि शराब पीना लोगों में आम बात है। हालाँकि उसे शराब पीने और विकलांग शरीर पर इसके अक्सर के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं है, फिर भी वह अपनी अक्षमता की परवाह किए बिना यह साहसिक कार्य करना चाहता हैं। हालाँकि, वह एक रात की मस्ती के लिए अपनी अच्छी ज़िदंगी बर्बाद करने वाला मूर्ख नहीं बनना चाहता । आखिरकार, वह खुद को इसे आज़माने के लिए मना लेता है।

हालाँकि, उस नए साल की पूर्व संध्या पर मैं अपने जीवन के उस मुकाम पर पहुँच गया था जहाँ मुझे इस बात की ज़रा भी परवाह नहीं थी कि शराब पीना मेरी किसी बीमारी के लिए कितना खतरनाक हो सकता हैं। मुझे ज़िंदगी भर लगातार साबधानी से फैसले लेते रहना, ताकि मुसीबत में न पड़ूँ या अपने शरीर को नुकसान न पहुँचाऊँ, बेवकूफ़ी लग रही थी। (LAMN अध्याय-25)

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 4
July - August: 2026

बर्कॉं दुनिया को दिखाता है कि वह भी गैर-विकलांग लोगों की तरह सामान्य है और खूद को साबित करने की हर संभव कोशिश करता है। वह एक सामान्य व्यक्ति जैसा दिखने के लिए योजनाएँ बनाता है। कॉलेज के दिनों में उसे डर लगता था कि उसके साथी छात्र उसकी विकलांगता को लेकर असहज महसूस करेंगे और उससे दोस्ती करना पसंद नहीं करेंगे। कक्षा को यह दिखाने के लिए कि एक सामान्य व्यक्ति हो और मानसिक रूप से विकलांग नहीं है, वह धैर्यपूर्वक उस मौके का इंतजार करता है जब वह किसी प्रश्न का इस तरह उत्तर दे सके जिससे दूसरे छात्रों को लगे कि वह मानसिक रूप से विकलांग नहीं हैं।

कक्षा शुरू हो चुकी थी, "मैं धैर्यपूर्वक किसी प्रश्न का उत्तर इस तरह देने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहा था जिससे दूसरे छात्रों को पता चले कि मैं मानसिक रूप से विकलांग नहीं हूँ। मुझे पता है, मुझमें कुछ अजीब सी असुरक्षाएँ हैं"।(LAMN अध्याय-27)

दुनिया में एक 'सामान्य' इंसान होने के लिए सबसे ज़रूरी चीजों में से एक है, यौन संबंध बनाने की 'क्षमता' होना। यह एक रूढ़ीवादी धारणा है कि विकलांग लोग यौन संबंध बनाने में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकते। बर्कॉं ने एक लड़की का दिल (शरीर नहीं) जीतकर और आपसी यौन संबंध बनाकर विकलांग लोगों के बारे में इस रूढ़िवादी धारणा को तोड़ दिया है। टोबिनसीबर्सन् अपनी विकलांगता सिद्धांत में कहा है।विकलांगता लोगों पर अत्याचार करने वाली मुख्य रूढ़ियों में से एक मिथक यह है कि वे यौन भावानाओं का अनुभव नहीं करते हैं या वे यौन संबंध नहीं बनाना चाहते हैं - संक्षेप में, उनके पास यौन संस्कृति नहीं है(पृष्ठ 138)।

लोगों में एक सार्वभौमिक मान्यता है कि यौन संबंध क्षमता का विशेषाधिकार प्राप्त क्षेत्र है। क्षमता, सक्षम शरीर को मानवता की आधार रेखा के रूप में दर्शाती है। क्षमता या अल्प क्षमता का अभाव व्यक्ति को मानव से कमतर बनाता है।

बारबरावैक्समैनफ़िडुशिया का तर्क है कि विकलांगता एक यौन विकृति का रूप धारण कर लेती है, क्योंकि विकलांग लोगों को उत्कृष्ट संतान पैदा करने में असमर्थ माना जाता है (पृष्ठ 168)।

यहाँ बर्कॉं सोच रहा है कि एक गर्लफ्रेंड होने और उसके साथ यौन संबंध बनाने से उसे समाज में एक पहचान मिलेगी।यह भी सोचता है कि किसी देश का नागरिक होना तब तक महत्वपूर्ण

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 4
July - August: 2026

नहीं हैं जब तक उसे यौन नागरिक न माना जाए। इसलिए, वह हर संभव कोशिश करता है और अपना मिशन पूरी करता है।

हम एक-दूसरे की आँखों में देखते रहे, और उसने धीरे से अपने हाथ मेरी गर्दन पर रख दिए। चुम्बनों के बीच, जिल ने मेरी पैंट उतार दी.....मुझे अब तक का सबसे बेहतरीन ऑर्गज्म मिला, लेकिन साथ ही मुझे एक अविश्वसनीय आशा की किरण भी मिली। उसने मुझे इस विचार को दूर करने में मदद की गर्लफ्रेंड होना असंभव है (LAMN अध्याय-30)।

शेवबर्कों अच्छी तरह जानते हैं कि अन्यायपूर्ण रूढ़ियों और सामाजिक पूर्वाग्रहों से खुद को बचाने का एकमात्र तरीका अपने मन को जागृत करना है। यह स्पष्ट है कि अन्यायपूर्ण रूढ़ियाँ और सामाजिक पूर्वग्रह उन्हें सक्षमतावादी समाज के नियमों का पालन करने के लिए मजबूर करते हैं। वह विकलांगता के बारे में प्रचलित विचारों का विरोध करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं और इस तरह दुनिया को यह विश्वास दिलाने के लिए अपनी पहचान बनाते हैं कि वह भी दूसरों की तरह सामान्य हैं।

संक्षिप्तीकरण

लैमन मेरे दुःरस्वप्न पर हँस रहा है।

संदर्भ ग्रंथ

बर्कों,शेन.मेरीदुर:स्वप्न पर हँसते हुए.रोअरिंगब्रुक पू,2014

फ़िडुशिया, बारबरा वैक्समैन.2000. "लैगिकता और विकलांगता के वर्तमान मुद्देआंदोलन"। कामुकता और विकलांगता 18.3:167 - 74.

गूडले, डैन। विकलांगता अध्ययन एक अंतःविषय परिचय ।SAGE P, 2011 ।

हॉल,ऐलिस.साहित्य और विकलांगता. रूटलेड़ज, 2016.

शेक्सपियर, टॉम.लिकलांगता की मूलबातें.टेलर एंड फ़्रांसिस, 2018.

सीबेर्स, टोबिन.विकलांगता सिद्धांत. मिशिगनविश्वविद्यायलय, पी.2011.